those under state or Agriculture university management?

THE MINITESR OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA): Sir, 27 Krishi Vigyan Kendras are working under private management and 64 under State Agricultural Universities.

Krishi Vigyan Kendras in Andhra Pradesh

422. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether there are any proposals received from Andhra Pradesh Agriculture University to start Krishi Vigyan Kendras in the State; and

(b) if so, at what stage of consideration are these proposals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA): (a) Yes, Sir.

(b) The proposals have not yet been considered because of non-availability of funds.

Drip Irrigation system

423. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state what is the extent of land under drip Irrigation system, what steps are being taken to encourage drip irrigation in different Stages?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI V. C. SHUKLA): Presently about 21,000 ha. of land is under drip irrigation. A Centrally Soonsored Schemes for encouraging irrigation through the use of sprinkler, daip system etc. is in operation since 1982-83 and is being continued in 1991-92 also. Under the Scheme 50 per cent matching central assiatance given to State Governments towards subsidy to the farmers against the proposals received from the States.

The rates of subsidy are 25 per cent for small farmers, 33-ET cmf cmfwym nal farmers, 50 per cent for scheduled caste and scheduled tribe farmers, and for community/cooperative schemes belonging to small and marginal farmers.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा बीजों की गई किस्मों का विकास

424. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा गत 10 वर्षों के दौरान धान, गेहूं और आलू की कितनी नयी किस्में विकसित की गयी हैं;

(ख) क्या इन बीजों से किसानों को हुए लाभ के बारे में कोई सर्वेक्षण किया गया है; और

(ग) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये बीज देश में अधिकाधिक किसानों को उपलब्ध कराये जायें, क्या प्रभावी कदम उठाये गये हैं ?

कृषि संत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लंका): (क) महोदय, पिछले दस वर्षों के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने धान की 129 नयी किस्में तथा गेहूं की 67 था आलू की 7 किस्में विकसित की हैं ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) केन्द्रीय राजकीय एजेंसियों जैसे भारतीय राजकीय फार्म निगम तथा राष्ट्रीय बीज निगम और राज्य बीज निगमों द्वारा प्रमाणित बीजों का बड़े पैमाने पर संवर्धन शुरु किया जा रहा है । उन्नत बीजों के मिनीकट, राष्ट्रीय प्रदर्शन, प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम, व्यावहारिक अनुसंधान प्रायोजनों तथा अग्र पंक्ति के प्रदर्शनों जैसे कार्यक्रमों के जरिए प्रचारित किया जाता है ।